तेरी बँसी की धुन सुनने

तेरी बँसी की धुन सुनने,
मैं वृन्दावन को आई हूँ ॥
मैं वृन्दावन को आई हूँ,
मैं बरसाने से आई हूँ ॥
तेरी बँसी की धुन सुनने,
मैं वृन्दावन को आई हूँ ॥

सुना है श्याम जी प्यारे,
"कि तुम माखन चुराते हो" ॥
*तुम्हें माखन खिलाने को ॥,
मैं मटकी साथ लाई हूँ,
तेरी बँसी की,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सुना है श्याम जी प्यारे,
"कि तुम गईयाँ चराते हो" ॥
*तेरी गईयाँ चराने को ॥,
मैं लकुटी साथ लाई हूँ,
तेरी बँसी की,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सुना है श्याम जी प्यारे,
"कि तुम नित रास रचाते हो" ॥
*तेरे नित रास रचाने को ॥,
मैं गोपी बन के आई हूँ ॥
तेरी बँसी की,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सुना है श्याम जी प्यारे,
"कि तुम भजनों के रसिया हो" ॥
*तुझे रसिया सुनाने को ॥,
मैं पागल साथ लाई हूँ,
तेरी बँसी की,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सुना है श्याम जी प्यारे,
"कि तुम कृपा खूब करते हो" ॥
*तेरी किरपा मैं पाने को ॥,
तेरे दरबार आई हूँ,
तेरी बँसी की,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : चित्र विचित्र

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22350/title/teri-bansi-ki-dhun-sunane

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |